योजनाओं के लक्ष्य और उपलब्धियाँ
(TARGETS AND ACHIEVEMENTS OF PLANS)

यहाँ हम आयोजन का विश्लेषण पहली नौ पंचवर्षीय योजनाओं तक ही सीमित रखेंगे। दसवीं तथा ग्यारहवीं योजनाओं पंचवर्षीय योजना की व्याख्या अलग से अध्याय 52 एवं 53 में की गई है।

1. राष्ट्रीय आय (National Income)– पहली पंचवर्षीय योजना में राष्ट्रीय आय तथा प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि का लक्ष्य क्रमशः 2.1 प्रतिशत तथा 0.9 प्रतिशत प्रति वर्ष रखा गया था। इसके विपरीत उपलब्धि क्रमशः 4.4 प्रतिशत प्रति वर्ष तथा 1.8 प्रतिशत प्रति वर्ष थी (1999-2000 की कीमतों पर)। दूसरी योजना में राष्ट्रीय आय में वृद्धि का लक्ष्य 4.5 प्रतिशत प्रति वर्ष रखा गया जबकि उपलब्ध 4.0 प्रतिशत प्रति वर्ष रही। प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि का लक्ष्य 3.3 प्रतिशत प्रति वर्ष था जबकि उपलब्धि 2.0 प्रतिशत प्रति वर्ष थी। तीसरी योजना बुरी तरह असफल रही। इसमें राष्ट्रीय आय में वृद्धि का लक्ष्य 6.0 प्रतिशत प्रति वर्ष था जबकि उपलब्ध मात्र 2.6 प्रतिशत प्रति वर्ष थी। क्योंकि यह वृद्धि लगभग जनसंख्या वृद्धि की दर के बराबर थी इसलिए प्रति व्यक्ति आय में केवल 0.5 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि हुई हालांकि लक्ष्य 3.2 प्रतिशत प्रति वर्ष वृद्धि का था। चौथी योजना में राष्ट्रीय आय में मात्र 3.1 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि हुई जबकि लक्ष्य 5.7 प्रतिशत प्रति वर्ष था। पांचवीं पंचवर्षीय योजना में निष्पत्ति (performance) अपेक्षाकृत संतोषजनक थी क्योंकि राष्ट्रीय उत्पादन में 4.9 प्रतिशत प्रति वर्ष वृद्धि हुई जबकि लक्ष्य 5.5 प्रतिशत प्रति वर्ष था (जिसे बाद में 4.4 प्रतिशत प्रति वर्ष कर दिया गया था)। 1979-80 में निवल राष्ट्रीय उत्पाद में 6.0 प्रतिशत की गिरावट हुई। इसे ध्यान में रखकर जब हम छठी पंचवर्षीय योजना की अवधि में राष्ट्रीय आय में 5.5 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि पर गौर करते हैं तो वह प्रभावशाली नहीं लगती। सातवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि में राष्ट्रीय आय में 5.4 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि हुई थी। यह प्रगति अपने आप में उत्साहवर्धक लगती है। लेकिन अगले दो वर्षों में अर्थात् 1990-91 और 1991-92 में आर्थिक संवृद्धि की इस तेजी को बनाए रख पाना संभव नहीं हुआ। 1990-91 में राष्ट्रीय आय में 5.2 प्रतिशत वृद्धि हुई। 1991-92 में राष्ट्रीय आय में केवल 0.9 प्रतिशत वृद्धि हुई। आठवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि में राष्ट्रीय आय में 6.7 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि हुई जबकि लक्ष्य 5.6 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि था। नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान राष्ट्रीय आय 5.3 प्रतिशत वार्षिक बढ़ी थी। लेकिन दसवीं पंचवर्षीय योजना का निष्पादन उत्साहवर्द्धक रहा और इस योजना में राष्ट्रीय आय में 7.8 प्रतिशत वार्षिक तथा प्रति व्यक्ति आय में 6.1 प्रतिशत वार्षिक की वृद्धि हुई। यह पूरी योजना-अवधि में किसी योजना का सबसे अच्छा निष्पादन रहा है। परन्तु **यदि हम आयोजन की पूरी अवधि 1950-51 से 2008-09 पर विचार करें तो इसमें राष्ट्रीय आय तथा प्रति व्यक्ति आय में क्रमशः 4.3 प्रतिशत प्रति वर्ष तथा 2.6 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि दिखाई देती है जिसे एक सामान्य (modest) निष्पादन ही कहा जाएगा।**

2. बड़ा औद्योगिक क्षेत्र (Large-scale manufacturing sector)– जहां तक औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि का प्रश्न है, पहली तीनों योजनाओं में यह काफी उत्साहवर्द्धक थी। वस्तुतः औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि की दर पहली योजना में 5.7 प्रतिशत प्रति वर्ष से बढ़कर दूसरी योजना में 7.2 प्रतिशत तथा तीसरी योजना में 9.0 प्रतिशत प्रति वर्ष हो गई। परन्तु इसके बाद औद्योगिक मन्दी का काल शुरू हो गया और औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि की दर गिर गई। 1966 से 1976 के बीच के ग्यारह वर्षों में औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि की दर गिरकर 4.1 प्रतिशत प्रति वर्ष रह गई। यदि 1976 को छोड़ दिया जाए (जिसमें वृद्धि 10.6 प्रतिशत थी) तो यह दर और कम होकर मात्र 3.7 प्रतिशत रह जाती है (औद्योगिक उत्पादन के पुराने सूचकांक अनुसार जब आधार 1970-71 = 100 था)।[9] इसके अलावा, शेट्टी के अनुसार निवल घरेलू उत्पाद में द्वितीयक क्षेत्र का हिस्सा जो (1960-61 की कीमतों पर) लगातार बढ़ते-बढ़ते 1966-67 में 23.4 प्रतिशत तक पहुंच गया था उसके बाद बढ़ नहीं पाया और 1975-76 में भी 22.8 प्रतिशत था। पंजीकृत औद्योगिक क्षेत्र (registered manufacturing sector) का हिस्सा जो 1950-51 में 6.3 प्रतिशत से बढ़ते-बढ़ते 1965-66 में 10.4 प्रतिशत तक पहुंच गया था, फिर आगे नहीं बढ़ पाया और 1975-76 में भी 10.4 प्रतिशत ही था जबकि तृतीयक क्षेत्र (tertiary sector) का हिस्सा लगातर बढ़ता गया। अतः **अर्थव्यवस्था के सामने 1965-66 से ढांचागत प्रतिगमन (structural retrogression) की स्थिति उत्पन्न हो गई।** 1975-76 के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ क्योंकि इसके बाद के चार वर्षों

Scanned with CamScanner

की अवधि (1976-77 से 1980-81 तक) में केवल 5.3 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि हुई (पुराने औद्योगिक उत्पादन सूचकांक आधार वर्ष 1970-71=100 के आधार पर)। लेकिन 1980-81 से 1990-91 के बीच एक दशक की अवधि में औद्योगिक विकास की प्रक्रिया में फिर से तेजी आई और औद्योगिक उत्पादन में 7.6 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि हुई। 1990-91 में औद्योगिक उत्पादन में 9.0 प्रतिशत की उत्साहजनक वृद्धि हुई परन्तु 1991-92 में औद्योगिक उत्पादन में नाममात्र 0.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अगले वर्ष में लगभग गतिहीनता की स्थिति थी। 1993-94 से औद्योगिक पुनरुत्थान शुरू हुआ और 1993-94 से 1996-97 की चार वर्षीय अवधि में औद्योगिक उत्पादन में 8.6 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि दर्ज की गई। परन्तु नौवीं योजना (1997-98 से 2001-02) में औद्योगिक संवृद्धि को झटका लगा तथा औद्योगिक उत्पादन की संवृद्धि दर कम होकर मात्र 5.5 प्रतिशत प्रति वर्ष रह गई। दसवीं योजना में स्थिति में सुधार हुआ और औद्योगिक उत्पादन की संवृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत प्रति वर्ष हो गई। यद्यपि यह लक्षित 10.0 प्रतिशत प्रति वर्ष की संवृद्धि दर से कम थी तथापि यह पूरी योजना-अवधि में सर्वाधिक थी (तीसरी योजना को छोड़कर)। 2007-08 में औद्योगिक उत्पादन की संवृद्धि दर 8.5 प्रतिशत थी जो 2008-09 में आर्थिक शिथिलता के कारण (जो विश्वव्यापी मंदी का परिणाम थी) कम होकर मात्र 2.6 प्रतिशत रह गई। परन्तु 2009-10 में औद्योगिक उत्पादन में 9.3 प्रतिशत की उत्साहजनक वृद्धि हुई।

Scanned with CamScanner